SPES CHILDREN HOSPITAL
Sheila Bypass, Rohtak

H•O•P•E

Contact :- 8059993366, 8059993311

कल, आज और कल

यदि आप कल्पना कर सकते है तो आप उसे हासिल भी कर सकते हैं

डॉ. अनुपमा शर्मा
बाल रोग विशेषज्ञ

यदि आप कल्पना कर सकते है तो आप उसे हासिल भी सकते हैं, यदि आप सपना देख सकते हैं तो वो आप पूरा भी सकते हैं। कुछ इसी तरह का सपना रहा SPES के संस्थापक डॉ. विकास गुप्ता का। जिनका जन्म रोहतक (हरियाणा) के एक साधारण मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। डॉ. गुप्ता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर हायर एजुकेशन तक की शिक्षा रोहतक से पूरी की। उन्होंने रोहतक स्थित पीजीआई से एमबीबीएस किया है। एमबीबीएस की उपाधि पाने के बाद डॉ. विकास गुप्ता ने चार साल तक रोहतक के पीजीआइ के बाल रोग विभाग में सेवा दी। वर्ष 2013 में कलकत्ता में हुई नेशनल कान्फ्रेंस में बेस्ट पेपर चयनित होने पर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। 2014 में डॉ. विकास गुप्ता ने रोहतक में बच्चों के इलाज के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस एक अस्पताल की नींव रखी। जहां पर वेंटिलेटर, एक्स-रे मशीन, ऑपरेशन थियेटर जैसी सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है। पिछले 6 साल में यह अस्पताल एक मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल बन चुका है। इस अस्पताल की स्थापना करने के पीछे उनकी मंशा विभिन्न कारणों के चलते इलाज न करवा पाने वाले मरीजों की मदद करने की थी। आज उनका यह अस्पताल अपनी एक अलग पहचान बना चुका है और इसी प्रकार ये अपने काम के माध्यम से सफलता और बुलंदी के नित नए आयामों को पा रहे हैं। इस दौरान नवजात शिशु के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली नई तकनीके इस शहर में लाने का श्रेय डॉ. विकास गुप्ता को जाता है। वे कहते हैं, उनके अस्पताल में कई ऐसे पेचीदा मामले भी आये जिनका सफलतापूर्वक इलाज किया गया। यहां हर तरह के सीरियस से सीरियस बच्चों को सफलापूर्वक इलाज किया जाता है। इलाज के लिए लोग केवल रोहतक से ही नहीं बल्कि दिल्ली एनसीआर से भी आते हैं। उनका कहना है कि अस्पताल एकमात्र पैडट्रिक संस्थान है, जहां बच्चों की हर प्रकार की सर्जरी, दिमाग में पानी, निमोनिया बिगड़ना, कैंसर जैसी जटिल बीमारियों का इलाज किया जाता है। अस्पताल में 50 बेड की सुविधा के साथ 10 एडवांस वेंटिलेटर, 2 सी-पैप मशीन है। हमारे बाल चिकित्सक डॉक्टर अपने काम के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल हैं। जो कि नवजात शिशु के उपचार के लिए विशेष योग्यता रखते हैं।

डॉ विकास गुप्ता
बाल रोग विशेषज्ञ

ज्यादा काम, खर्चा कम

डॉ. कमल रत्तन
पीडियाट्रिक सर्जन

जहां कुछ प्राइवेट हॉस्पिटल महंगे इलाज के लिए बदनाम हैं, वहीं SPES हेल्थ सेंटर कम कीमत में इलाज कैसे कर पाता है, वह भी 95 फीसदी सक्सेस रेट के साथ, यह बड़ा सवाल है। इसका जवाब डॉ. गुप्ता बेहद सीधे शब्दों में देते हैं। वह कहते हैं, 'हमारा मॉडल कम मुनाफे में बेहतर इलाज और सर्जरी करने पर है। हमारे सेंटर में गरीब से गरीब लोगों का भी इलाज किया जाता है। खास यह है कि जिनके पास पैसे नहीं हैं, उनकी यहां मुफ्त इलाज किया जाता है। अच्छी क्वॉलिटी का इलाज

सस्ता हो और सबकी पहुंच में हो, यह बात सुनने में थोड़ा अटपटा तो लगता है, लेकिन SPES हेल्थ सेंटर इस मुश्किल काम को संभव बनाने में जुटा हुआ है व कम कीमत में लोगों को बेहतर इलाज मुहैया करा रहा है। इनके पास फुलटाइम डॉक्टर, नर्स और

पैरामेडिकल स्टाफ की टीम है। डॉ. गुप्ता का कहना है कि रिसोर्स का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को कम कीमत पर नई जिंदगी प्रदान करना मकसद है। इनका मानना है कि क्षमता होना ही काफी नहीं है, कुछ अच्छा करने का अहसास भी मायने रखता है।

स्पैस होस्पिटल आज

मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ विकास गुप्ता बताते हैं कि बच्चों में पाई जाने वाली अलग अलग तरह की बीमारियों का इलाज करने को चिकित्सकों को अपडेट करने के लिए अब तक वो 10 नेशनल व इंटरनेशनल कान्फ्रेंस करा चुके हैं। पीडियाट्रिक फंडामेंटल क्रिटिकल केयर कोर्स जो यूएसए से सर्टिफाइड कोर्स है। उसे रोहतक में स्पैस

अस्पताल में कराने का अवसर मिला। यह कोर्स अमेरिकन गाइडलाइंस पर बना है जो इंडिया में फैसिलिटी को देखते हुए मोडिफाई किया गया है। डॉ विकास गुप्ता बताते हैं कि पीजीआई के पीडियाट्रिक्स विभाग में तीन साल तक काम करते रहने के दौरान पता चला कि बच्चों में मृत्यु दर ज्यादा है। संसाधनों के अभाव में बच्चों की मौत होते देख उन्होंने स्पेस अस्पताल में आने वाले मरीजों को उचित इलाज देना शुरू किया। डॉ विकास बताते हैं कि आज भी चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से न में जवाब पाकर निराश परिजन स्पैस अस्पताल में उम्मीद की आस लेकर आते हैं और वे बच्चे के इलाज से संतुष्ट होकर जाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके अस्पताल में वे अब तक पाँच हजार से ज्यादा आईसीयू में भर्ती होने वाले बाल रोगियों को नई जिंदगी देने में सफलता हासिल कर चुके हैं। यही आत्मविश्वास उन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ा रहा है। डॉ विकास बताते हैं कि वो सिर्फ मेहनत पर भरोसा करते हैं और मशीनों को सहायक के रूप में मानते हैं। वह किसी भी मरीज को मशीनों के भरोसे नहीं छोड़ते हैं।

आने वाला कल

SPES अस्पताल रोहतक में बच्चों के अग्रणी तथा सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल के रूप में उभरा है

डॉ. विकास गुप्ता का कहना है कि रोगियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए SPES अस्पताल को आधुनिक रूप दिया गया है। यह अस्पताल फिलहाल हरियाणा सरकार, ईसीएचएस एवं टीपीए मरीजों के पैनल पर नहीं है। लेकिन डॉ. गुप्ता का कहना है कि जल्द ही लोगों को यह सुविधा मुहैया कराई जाएगी। बहरहाल, पिछले 6 वर्षों में, SPES अस्पताल रोहतक में बच्चों के अग्रणी तथा सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल के रूप में उभरा है। उनका कहना है कि प्रतिस्पर्धा के बीच अपने आप को खड़ा करना किसी चुनौती से कम नहीं था। फिर भी हमने जो सपनों को देखा है, उसे पूरा करने का जिद है। इसलिए हम तमाम दिक्कतों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं

- NICU/ PICU
- टीकाकरण/ Immunisation
- चाइल्ड फोटोथैरेपी
- खून बदलने की सुविधा।
- बच्चे की सर्जरी 0-17 साल
- 2 आईसीयू • 16 बैड NICU
- 8 बैड PICU
- 1 O.T. • 20 प्राइवेट रूम

नवजात शिशु की सर्जरी :

- हार्निया/अंडकोष में सूजन।
- पेशाब का रास्ता सही जगह पर न होना।
- खाने की नली का न बना होना।
- लैट्रिन का रास्ता न बना होना।
- आंत की बीमारियां।
- गुर्दे के कैंसर।
- कब्जी रहना।
- पेट का कैंसर।

फेफड़ों संबंधित बीमारियां :

- बार-बार न्यूमोनिया होना।
- बच्चों की हर प्रकार की टीबी।
- बच्चों का दमा। • न्यूमोनिया बिगड़ना।

हाईपोथर्मिया मशीन :

जो बच्चे जन्म के बाद नहीं रोएं या देर से रोएं,
उन बच्चों के लिए यह जीवन रक्षक मशीन है। इसके लिए बच्चे का
जन्म के छह घंटे के भीतर अस्पताल में पहुंचना जरूरी है।